सत्यमेव जयते

राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
फाल्गुन 07, सोमवार, *शाके* 1945-फरवरी 26, 2024 *Phalguna 07 Monday , Saka 1945- February 26 , 2024*	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग

विज्ञप्ति

जयपुर, फरवरी 06, 2024

संख्या प. 2(7) वन/2024 :-चूंकि निम्नलिखित अनुसूची में दिखाई गई वन-भूमि सरकार की सम्पति है अथवा उनमें सरकार के स्वत्व है अथवा सरकार उनकी सम्पूर्ण वन उपज अथवा उनके किसी अंश की स्वत्वधारी (**Entitled**) है।

और चूंकि सरकार उपर्युक्त वन-भूमि तथा बंजर भूमि को राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 की धारा 29 उप धारा (1) के अन्तर्गत रक्षित वन (**Protected Forest**) घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की सीमा अथवा स्वरूप अभी तक किसी भी प्रकार के लेखबद्व नहीं किये गये है।

और चूंकि सरकार यह भी विचार रखती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में अथवा उन पर सरकारी या वैयक्तिक अधिकारों की सीमा तथा स्वरूप के संबंध में जांच किया जाना तथा उन्हें लेखबद्व किया जाना आवश्यक है, परन्तु चूंकि इन कार्यो के सम्पादन में जितना समय लगेगा उस बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुचने की आशंका है

इसलिये अब राजस्थान फोरेस्ट एक्ट, 1953 (1953 की एक्ट संख्या 13) की धारा 29 की उप धारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकार इसके द्वारा फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर/असिस्टेन्ट फोरेस्ट सेटलमेंट ऑफिसर को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर-भूमि में या उन पर सरकारी अथवा वैयक्तिक अधिकारों की जांच करके उन्हें लेखबद्व करने हेतु नियुक्त करती है तथा ऐसी जांच तथा अभिलेखन तथा साक्ष्य उसी प्रणाली से किया जायेगा जैसाकि उक्त एक्ट की धारा 6,7,8,10,11 (1) 12,13,14,17 तथा 19 में प्रवाहित है।

और उक्त एक्ट की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (**Proviso**) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार उक्त जांच तथा अभिलेखन सम्पादित होने तक उक्त वन-भूमि और बंजर-भूमि को इस विज्ञप्ति द्वारा रक्षित वन (**Protected Forest**) घोषित करती है, परन्तु इससे किसी व्यक्ति या वर्ग विशेष के वर्तमान अधिकारों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आयेगी और न उन पर कोई प्रभाव पडेगा।

और सरकार उक्त एक्ट की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में यह भी घोषणा करती है कि उक्त संरक्षित वन के वे वृक्ष जो इसके संलग्न द्वितीय अनु सूची में अंकित किये गये है, राजपत्र में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन की तारीख से आरक्षित (**Reserved**) है और पूर्वोक्त तारीख से उक्त वन में पत्थरों को हटाया जाना अथवा चूना या कोयला जलाया जाना अथवा किसी प्रकार की वन उपज का संग्रहित किया जाना अथवा उनसे किसी निर्माण प्रक्रिया का साधन बनाया

जाना या हटाया जाना और उक्त वन में किसी भूमि का कृषि अथवा भवन निर्माण अथवा पशु पालन अथवा किसी भी अन्य प्रयोजन के लिये खंडित किया जाना अथवा साफ किया जाना निषिद्व करती है।

राज्यपाल की आज्ञा से,
मोनाली सेन,
शासन सचिव,
वन विभाग,
राजस्थान सरकार, जयपुर।

प्रथम अनुसूची (वन-भूमि और बंजर-भूमि)
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रथम अनुसूची

क्र. सं	नाम ब्लॉक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	ग्राम	खसरा नं.	रकबा (है0 में)	भूमि किस्म
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	गुरलां नर्सरी	भीलवाडा	भीलवाडा	उत्तर- आराजी नं. 1014	गुरलां	1014/2 1017/1 1018/1	1.2771 0.0632 0.3794	चारागह गेमु रास्ता चारागह
				पूर्व- आराजी नं. 1018				
				पश्चिम- आराजी नं. 1014/1				
				दक्षिण- आराजी नं. 1162 गंगापुर मेन रोड				
				वनखण्ड का योग		किता-3	1.7197	

क्षेत्रीय वन अधिकारी
भीलवाडा

उप वन संरक्षक
भीलवाडा

वनखण्ड गुरलां नर्सरी
द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

क्र.सं.	वानस्पतिक नाम	हिन्दी नाम
1	*Acacia Leucophloea*	रोंझ
2	*Acacia nilotica*	देशी बबूल
3	*Azadirachta indica.*	नीम
4	*Dalbergia sissoo, Roxb*	शीशम
5	*Holoptelea Integrifolia*	चुरैल पापडी
6	*Albizia lebbeck benth*	काला सिरस

क्षेत्रीय वन अधिकारी
भीलवाडा

उप वन संरक्षक
भीलवाडा

प्रमाण पत्र

वनखण्ड - गुरलां नर्सरी

रेंज - भीलवाडा

वन मंडल - भीलवाडा

1 संलग्न प्रारूप में दर्शायी गई भूमि का वर्गीकरण कमशः चारागाह गेमु रास्ता है जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 7 सें 9 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।

2 वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य करवाया गया है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन् कार्य नहीं हो रहा है।

3 प्रस्तावित वन क्षेत्र में समस्त क्षेत्र पूर्व से ही विभाग के अधीन है, जिन पर वानिकीय विकास कार्य कराये गये है एवं भविष्य में इस क्षेत्र मे विकास कार्य कराये जाने की संभावना है।

4 प्रस्तावित भूमि पर वृक्षों का घनत्व कुछ क्षेत्रों में 0.1 से 0.2 तक का है एव इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों नीम, शीशम, चुरेल, सफेदा, काला सिरस प्रजातियों के पेड एव झाडिया है।

5 प्रस्तावित क्षेत्र की समस्त भूमि वन विभाग के अधीन हैं तथा समीपवर्ती खातेदारी भूमिया वन सीमाओं से पृथक है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।

6 वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है, एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।

7 प्रस्तावित वनों के प्रारूप यथाविधि पूर्व में नही भेजने के कई कारण रहे है, किन्तु अब उल्लेखित वन क्षेत्रो के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमो के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है।

8 उक्त वन भूमि का पूर्व मे राजपत्र में प्रकाशन नही हुआ है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी
भीलवाडा

उप वन संरक्षक
भीलवाडा

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।